



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 19 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।

(ii) 19 तारीख को मेघालय और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 19 और 20 तारीख को उत्तराखंड में; 20 से 22 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर में और 20 व 21 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

(iii) अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिम-मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 19 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ मेघालय में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र और कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में कुछ जगहों पर उष्ण लहर जैसी स्थिति बनी रही।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और इसका पूर्वी सिरा निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी पंजाब और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर हवा का ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी झारखंड और उससे सटे बिहार के ऊपर हवा का ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर ट्रफ उत्तरी बिहार से बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम हिस्से तक फैली हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में हवा का ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्यम ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर हवा का ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर मध्य असम और उससे सटे नागालैंड के ऊपर हवा का ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 19 से 25 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 से 23 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 19 से 24 जुलाई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 23 से 25 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 जुलाई और 24-25 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 25 जुलाई को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 19 से 25 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 19 से 22 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 से 23 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 20 से 25 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में और 19 से 25 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 19 से 25 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में और 19 से 22 जुलाई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 20 से 22 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 20-21 जुलाई और 23 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में; 19-20 जुलाई और 22-25 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 19 और 23 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; और 23 से 25 जुलाई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में 21-24 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 20-25 जुलाई के दौरान; साथ ही जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 19 और 23 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; हिमाचल प्रदेश में 19 और 22 जुलाई को; उत्तराखंड में 21 जुलाई को; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 20-22 जुलाई के दौरान; पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19-22 जुलाई के दौरान।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 20-22 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 20 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 19-21 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 20-21 जुलाई और 25 जुलाई को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 22-25 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में 19-25 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 19 जुलाई और 22-24 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है।
- ❖ पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 19-23 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंके 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 19-23 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 20 जुलाई और 22-23 जुलाई के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 19-23 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 19 जुलाई और 22-23 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 20-23 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है, साथ ही छत्तीसगढ़ में 19 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है। पूर्वी भारत:
- ❖ 19-25 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में; और 22-25 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-25 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 19-21 जुलाई के दौरान बिहार में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 19-24 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 19-25 जुलाई के दौरान बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 19-25 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 19 जुलाई और 21-22 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 21-22 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 19-21 जुलाई को झारखंड में; 21-24 जुलाई को बिहार में; 19-22 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 20 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 19-20 जुलाई को बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 19 से 25 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; और 19-21 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 20 जुलाई और 24-25 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 19 जुलाई और 21-25 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 20-25 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 19 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; और 20 जुलाई को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 19 जुलाई को मेघालय में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 19-25 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 19 जुलाई और 23-24 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 23 जुलाई को मराठवाड़ा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-22 जुलाई और 25 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; 19-22 जुलाई और 24-25 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; और 19-25 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 23 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

- ❖ 19 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 19-23 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में; और 19-25 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 19 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में। 19 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 19-25 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 21-23 जुलाई के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 20-25 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जुलाई और 24-25 जुलाई के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 19-25 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 19 जुलाई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 19-20 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 19-23 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 19 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 21-23 जुलाई के दौरान रायलसीमा में; 19-25 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 19 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मछुआरों को चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 19 से 24 जुलाई के दौरान सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों में (जो पूर्वी-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं); 21 से 24 जुलाई के दौरान गुजरात के तटों के पास और उनसे सटे समुद्री इलाके में; और 19 तारीख को तथा 22 से 24 जुलाई के दौरान उत्तरी महाराष्ट्र के तट पर।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 19 और 23 जुलाई को मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; और 19 जुलाई को दक्षिण श्रीलंका के तटों पर (जो दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे हैं)।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

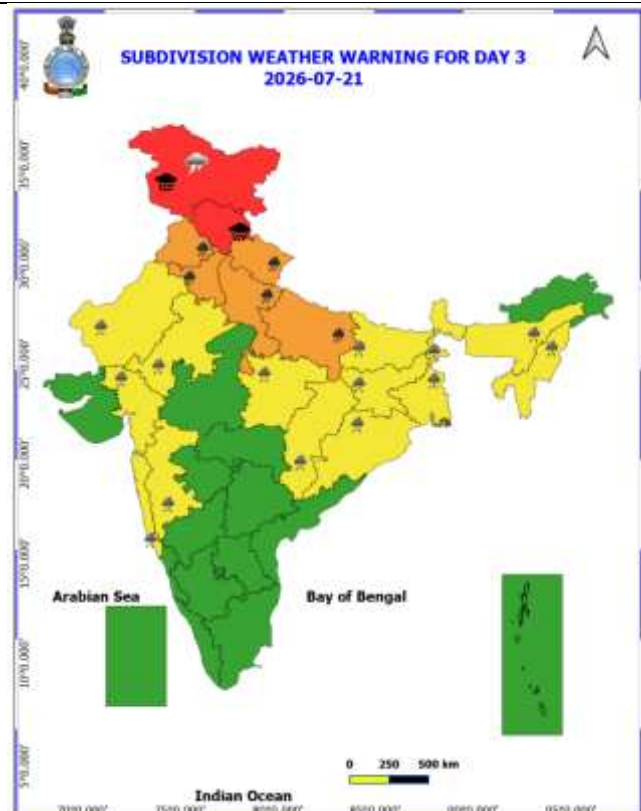
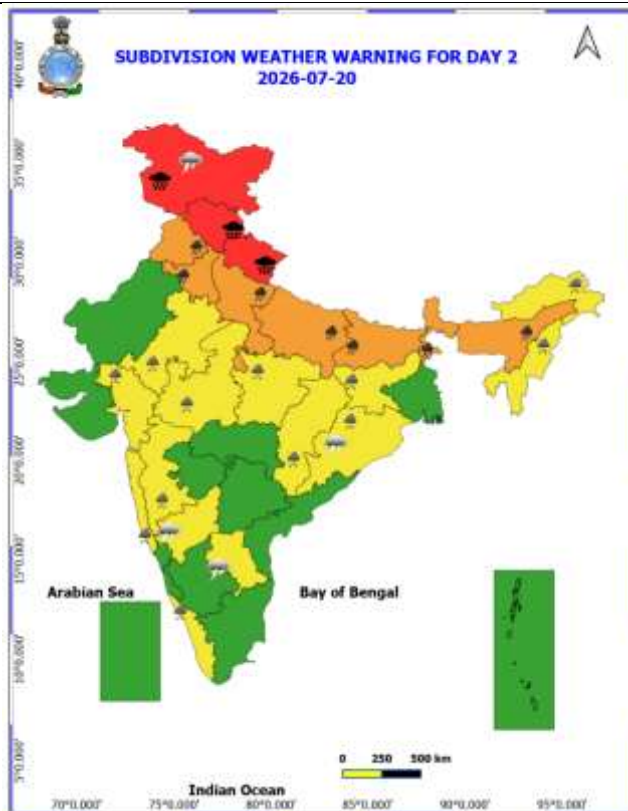
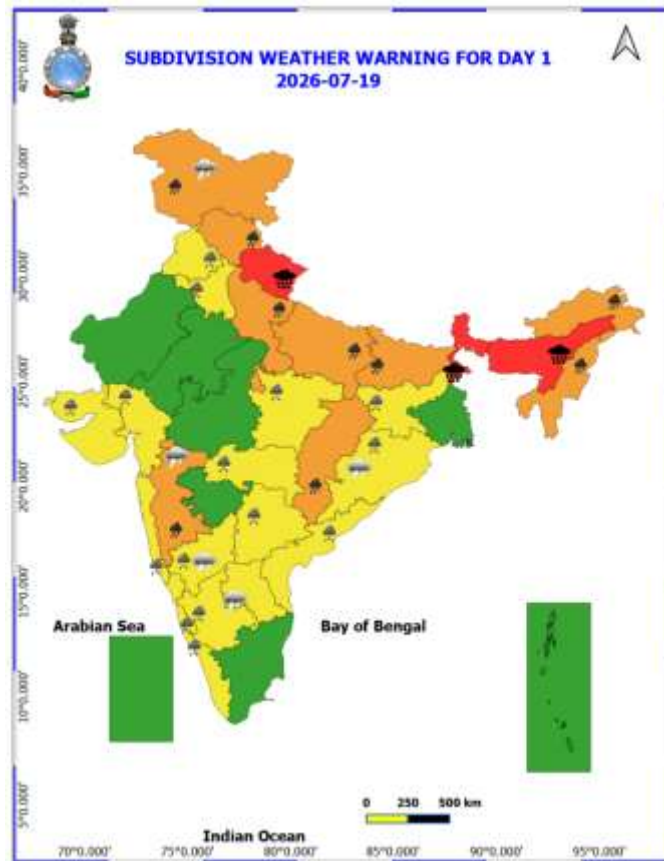
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

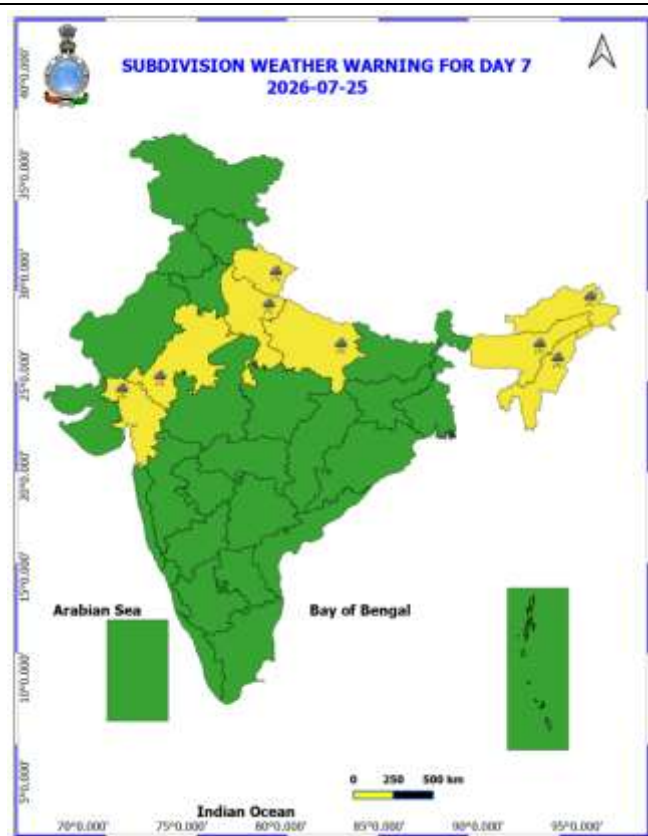
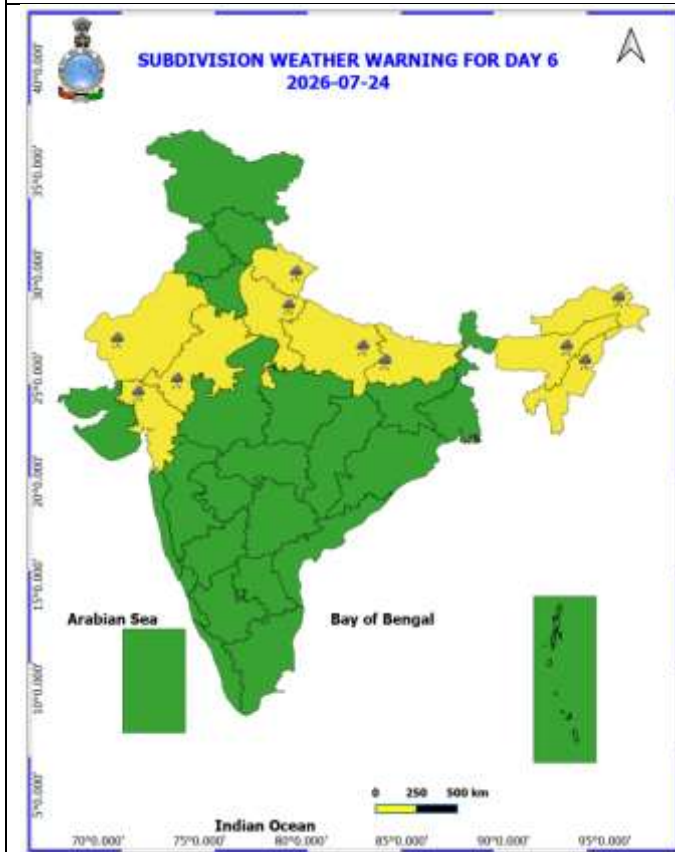
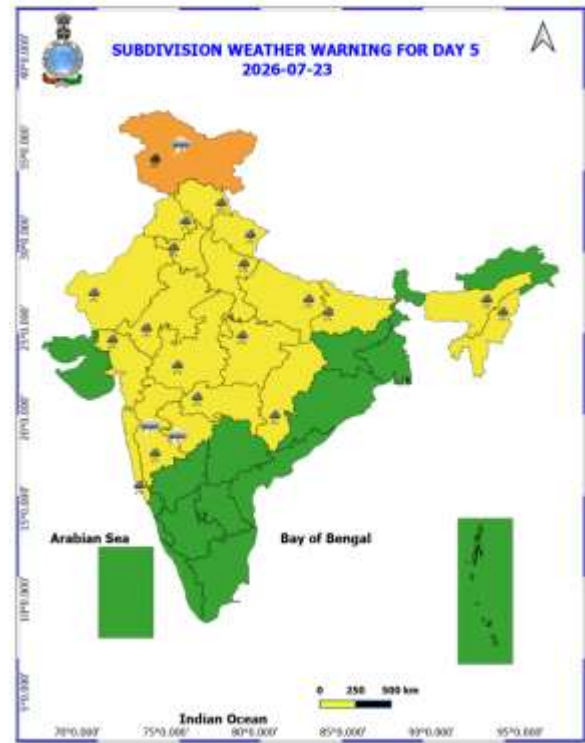
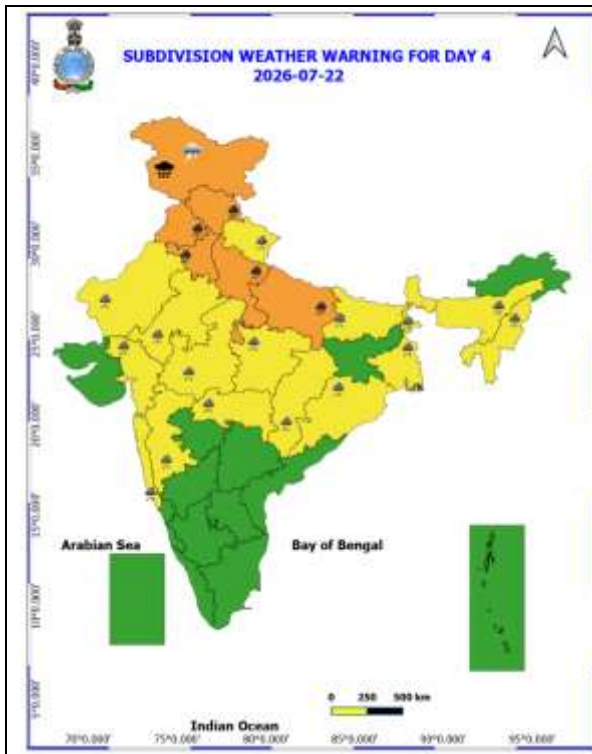
महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ मेघालय: सोहरा आरकेएम 27;
- ❖ नागालैंड: तुली 20;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी (पुणे) 18;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: मूर्ति 17;
- ❖ कोंकण: वक्वालि (रत्नागिरी) 15;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लॉन्गडिंग-एडब्ल्यूएस 14;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: राजौरी 14, रियासी 11;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: एल्लिगन ब्रिज (बाराबंकी) 12;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: चन्नौदी (शहडोल) 12;
- ❖ बिहार: पटना 12;
- ❖ उत्तराखंड: हलद्वानी 11;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: सूरत शहर 10;
- ❖ ओडिशा: नयागढ़ 10;
- ❖ झारखंड: राजदाह 8;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला 8;
- ❖ विदर्भ: भंडारा 8;
- ❖ छत्तीसगढ़: महेंद्रगढ़ 8;
- ❖ तटीय कर्नाटक: सुब्रमण्य (जिला दक्षिण कन्नड़) 8;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: राठ (हमीरपुर) 7;
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: कुर्दी (जिला रायचूर) 7;
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7, श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- Jul	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul	25- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	FWS	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

119 जुलाई से 22 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $37-38^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $28-31^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 30 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पश्चिम दिशा से चल रही थी। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

19.07.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर गर्मी और उमस रहेगी। दोपहर/शाम के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी/बिजली कड़कने और ज़मीन पर तेज़ हवाएँ (20-30 किमी/घंटा, कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक) चलने की भी संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-37^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

20.07.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चल सकती हैं। शाम/रात के समय भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) हो सकता है। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

21.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चल सकती हैं। शाम/रात के समय भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा (झोंकों

के साथ 40 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

22.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और ज़मीन पर तेज़ हवाएं (20-30 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। शाम/रात के समय भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और ज़मीन पर तेज़ हवाएं (20-30 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C और न्यूनतम तापमान 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 19 तारीख को मेघालय, सब-हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है; उत्तराखंड में 19 और 20 तारीख को; जम्मू-कश्मीर में 20 से 22 तारीख के दौरान और हिमाचल प्रदेश में 20 और 21 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- असम में, गन्ने, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त बारिश के पानी की लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार फसलों की कटाई करें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें। पानी के बहाव, पौधों के बहने और जलभराव को रोकने के लिए नर्सरी की मेड़ों और खेतों की नालियों को मजबूत करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ों की जांच करें और उन्हें मजबूत करें; साथ ही, जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई करें।
- सिक्किम में, धान की नर्सरी और खड़ी फसल वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से अतिरिक्त बारिश के पानी की लगातार निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो।
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, पानी की निकासी की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें और सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से जमा हुआ बारिश का पानी हटा दें ताकि जलभराव न रहे।

- झारखंड में, खड़ी फसल वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। खेत की स्थिति में सुधार होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- बिहार में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी की निकासी की लगातार व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। खेत की स्थिति में सुधार होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की लगातार व्यवस्था बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। खेत की स्थिति अनुकूल होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- उत्तराखंड में, मूंगफली, सोयाबीन और मक्का की बुवाई टाल दें। धान, टमाटर और मिर्च के खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। तैयार टमाटर की कटाई केवल बारिश न होने के समय ही करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मक्का, रागी, कद्दू-वर्गीय फसलों, टमाटर और शिमला मिर्च के खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार फसलों की कटाई करें।
- केरल में, केला, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों की फसलों के लिए पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की नर्सरी और मक्का, सोयाबीन, अरहर और छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खड़ी फसलों में पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति बेहतर न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और फसल सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना है - जैसे जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र - वहां खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- उत्तर प्रदेश में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति बेहतर न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और फसल सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- असम में, गन्ने, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त बारिश के पानी की लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार फसलों की कटाई करें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें। पानी के बहाव, पौधों के बहने और जलभराव को रोकने के लिए नर्सरी की मेड़ों और खेतों की नालियों को मजबूत करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ों की जांच करें और उन्हें मजबूत करें; साथ ही, जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई करें।
- सिक्किम में, धान की नर्सरी और खड़ी फसल वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से अतिरिक्त बारिश के पानी की लगातार निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो।
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, पानी की निकासी की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें और सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से जमा हुआ बारिश का पानी हटा दें ताकि जलभराव न रहे।
- झारखंड में, खड़ी फसल वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। खेत की स्थिति में सुधार होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।

- बिहार में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी की निकासी की लगातार व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। खेत की स्थिति में सुधार होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की लगातार व्यवस्था बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। खेत की स्थिति अनुकूल होने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- उत्तराखंड में, मूंगफली, सोयाबीन और मक्का की बुवाई टाल दें। धान, टमाटर और मिर्च के खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। तैयार टमाटर की कटाई केवल बारिश न होने के समय ही करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मक्का, रागी, कद्दू-वर्गीय फसलों, टमाटर और शिमला मिर्च के खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहाँ खेत की स्थिति अनुमति दे, वहाँ तैयार फसलों की कटाई करें।
- केरल में, केला, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों की फसलों के लिए पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की नर्सरी और मक्का, सोयाबीन, अरहर और छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खड़ी फसलों में पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति बेहतर न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और फसल सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना है - जैसे जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र - वहां खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- उत्तर प्रदेश में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति बेहतर न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और फसल सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।

तूफान/तेज़ हवाओं के असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, केरल और तटीय आंध्र प्रदेश में खाद डालने और खेत के दूसरे कामों को टाल दें।
- तेलंगाना, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- काटी गई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए काटी गई फसल को मज़बूती से बाँधें और ढककर रखें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

20-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

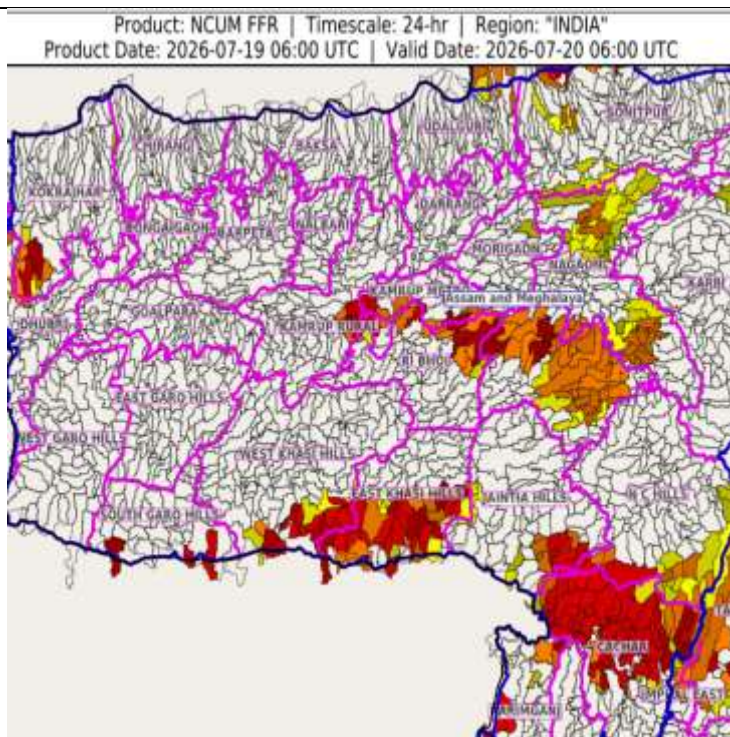
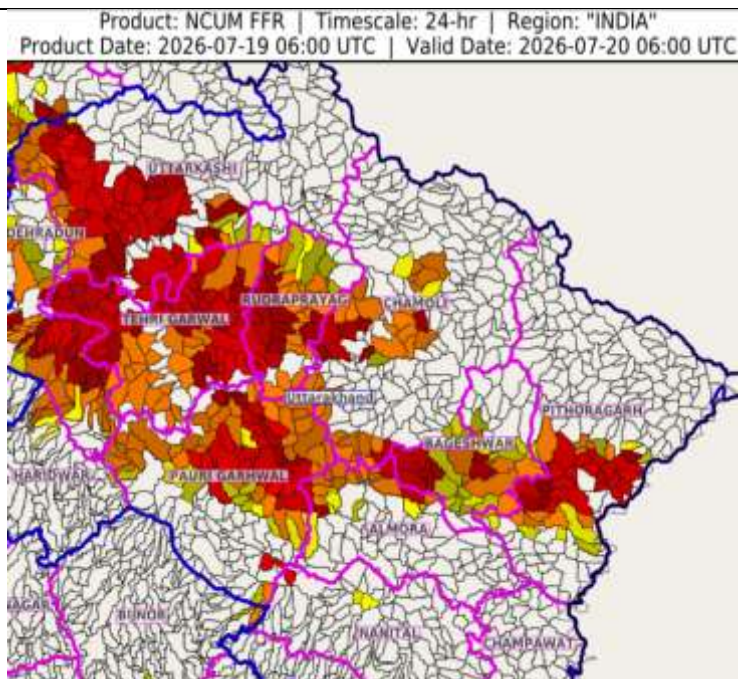
अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।

20-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

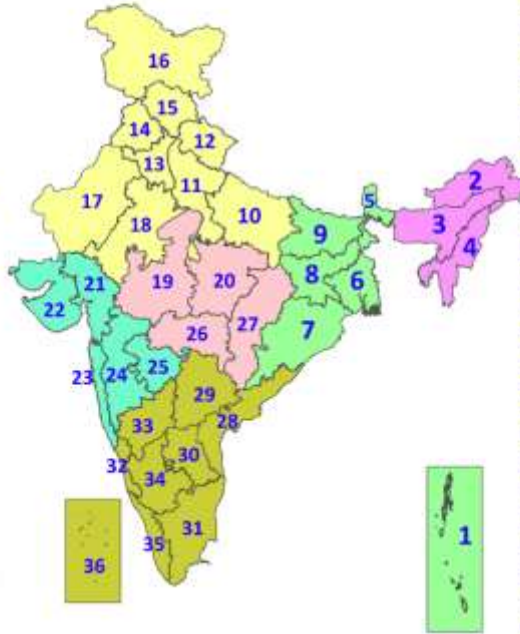
असम और मेघालय - कछार, कामरूप ग्रामीण, कार्बी आंगलोंग, कोकराझार, एन.सी. हिल्स, नागांव, सोनितपुर, करीमगंज, पूर्वी गारो हिल्स, पूर्वी खासी हिल्स, री भोई, दक्षिणी गारो हिल्स और जयंतिया हिल्स जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C. Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C. Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)